गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 301
दि. 04.03.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

संघर्ष और हमलों के बीच ईरान ने दिया झुकने का संकेत, 'इज्जत के साथ बातचीत के लिए तैयार

(जीएनएस)।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष जारी है। ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 40 टॉप कमांडरों की मौत हो चुकी है। तेहरान की ओर से भी जोरदार कार्रवाई की जा रही है। आईडीएफ ने स्पष्ट कर दिया है कि हमले जारी रहेंगे। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि ईरान अब युद्ध से होने वाले भारी नुकसान से बचना चाहता है। जारी तनाव के बीच तेहरान की ओर से एक अहम बयान सामने आया है।

अठकको दिए इंटरव्यू में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतोल्ला सैय्यद अली खामेनेई के प्रतिनिधि बताए जा रहे

डॉक्टर अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इज्जत के साथ समझौता होना चाहिए।'

डॉ. इलाही ने स्पष्ट किया कि ईरान कूटनीतिक समाधान के खिलाफ नहीं है, मगर वह किसी भी तरह के दबाव या एकतरफा शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा। उनके अनुसार, किसी भी वार्ता की बुनियाद आपसी सम्मान, समानता और संप्रभुता के सिद्धांतों पर होनी चाहिए।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और तीखी बयानबाजी ने वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका और इजरायल की नीतियों पर सवाल उठाते हुए ईरान लगातार अपने सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है।

- विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान के लिए एक साथ चौतरफा हमले झेलना आसान नहीं है। खामेनेई और टॉप लीडरशिप की मौत के बाद देश में हालात अस्थिर हैं।

- लंबे समय से आर्थिक प्रतिबंध झेल रहे ईरान की अर्थव्यवस्था पहले ही बर्बाद हो चुकी है। जंग अगर लंबे समय तक चलता है, तो नुकसान असहनीय हो सकता है।

- अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी पहले ही कह दिया है कि वह तेहरान से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। अगर सभी पक्षों की सहमति बनती है, तो मिडिल ईस्ट में हालात सामान्य हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब इस बात पर नजर रखे हुए है कि क्या आने वाले दिनों में बैक-चैनल कूटनीति या औपचारिक वार्ता की दिशा में कोई ठोस पहल होती है।

'बेफिक्र होकर कराएं इलाज', जनता दर्शन में सीएम योगी का बीमार लोगों को आर्थिक मदद का आश्वासन

(जीएनएस)।

गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद का आश्वासन देते हुए उन्होंने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही जमीन कब्जा और दबंगई के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने का भी आदेश दिया।

गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने आए लोगों को उन्होंने आश्वासन दिया और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने जमीन कब्जा और दबंगई के मामलों में सख्त कार्रवाई करने के भी आदेश दिए। हर जरूरतमंदों को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मदद दी जाएगी।

सीएम ने 150 लोगों की सुनी फरियाद

सीएम योगी आदित्यनाथ होलिकोत्सव के मौके पर गोरखपुर पहुंचे हैं। जहां उन्होंने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लगभग 150 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान सीएम ने लोगों के पास जाकर एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनी और त्वरित निस्तारण का भरोसा भी दिया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों से जूझ रहे कई लोग आर्थिक मदद की मांग लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनको भरपूर आर्थिक सहायता देगी।

जनता दर्शन में एक शख्स ने किडनी की बीमारी के इलाज में पैसों की कमी की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने पहले उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। लेकिन उसके पास कार्ड नहीं था। जिस पर सीएम ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता की कोई बात नहीं, इलाज के लिए पर्याप्त मदद दी जाएगी। अन्य कई मरीजों ने भी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग की गुहार लगाई, इन सभी को सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया गया।

विवेकाधीन कोष से जरूरतमंदों को मिलेगा सहारा

सीएम योगी ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और किसी भी तरह की कोई लापरवाही न बरती जाए। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में इलाज के लिए धन की जरूरत है, उनका इस्टीमेट जल्द तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता दी जा जा सके।

सीएम ने बच्चों की दी चॉकलेट

जमीन कब्जाने और दबंगई के मामलों पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए साफ निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कुछ परिवार अपने बच्चों के साथ भी आए हुए थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद देते हुए उन्हें चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

चाय बागानों से राज्यसभा उम्मीदवारी तक का सफर करने वाले तेराश गोवाला

असम की राजनीति में तेराश गोवाला एक ऐसे नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने जमीनी स्तर से अपनी पहचान बनाई। डिब्रूगढ़ जिले की दुलियाजान विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले गोवाला को खास तौर पर असम के चाय बागान समुदाय की मजबूत आवाज माना जाता है।

तेराश गोवाला पहली बार 2016 में विधायक चुने गए थे। उस चुनाव में उनकी जीत को केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि चाय बागानों में काम करने वाले समुदाय के प्रतिनिधित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया था।

पश्चिम एशिया में तनाव पर भारत सख्त, 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा पर एमईए ने जताई गंभीर चिंता

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालात और बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने एक आधिकारिक बयान जारी कर सभी पक्षों से तत्काल हिंसा रोकने और शांति की अपील की है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि किसी भी विवाद का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति ही हो सकता है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब रमजान के पवित्र महीने में इस क्षेत्र की स्थिति काफी नाजुक हो गई है। भारत के लिए यह संकट इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग 1 करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं, जिनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक मार्ग भी इसी क्षेत्र से होकर

गुजरते हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ सकता है।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर संकट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में इस संघर्ष ने खतरनाक मोड़ ले लिया है। विशेष रूप से मर्चेंट शिपिंग (व्यापारिक जहाजों) पर हो रहे हमलों ने भारत की चिंता बढ़ा दी है। इन हमलों में कुछ भारतीय नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि कुछ अन्य अभी भी लापता हैं। सरकार ने इस घटनाक्रम पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

अर्थव्यवस्था और व्यापार पर बुरा असर

पश्चिम एशिया का यह भूगोल भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रीढ़ की हड्डी माना जाता है। विदेश मंत्रालय के अनुसारः

व्यापारिक मार्गः भारत का एक बड़ा व्यापार इसी समुद्री रास्ते से होता है।

ऊर्जा आपूर्तिः कच्चे तेल और गैस की सप्लाई बाधित होने से भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

शिपिंग पर हमलेः भारत मर्चेंट शिपिंग पर होने वाले हमलों का कड़ा विरोध करता है और इसे अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए बड़ा खतरा मानता है।

रमजान के महीने में बिगड़ते हालात

बयान में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि रमजान के पवित्र महीने के दौरान क्षेत्र में स्थिति में सुधार के बजाय निरंतर गिरावट आई है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाएं। भारतीय दूतावास लगातार वहां रह रहे भारतीयों के संपर्क में हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

बेंगलुरु से हैदराबाद महज 2 घंटे में, हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर कब होगा शुरू?

(जीएनएस)।

देश में हाई-स्पीड रेल (HSR) नेटवर्क को विस्तार देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को तेजी से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लरफकॉरिडोर प्रोजेक्ट के पहले फेज को लेकर सेट्रल रेलवे के अधिकारियों ने कर्नाटक पहुंचकर राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट (IDD) के साथ औपचारिक चर्चा की।

यह बैठक दक्षिण भारत की सबसे महत्वाकांक्षी पारगमन प्रोजेक्ट में से एक के लिए जमीनी स्तर पर समन्वय की दिशा में पहला कदम है। केंद्रीय बजट में

इस Bullet Train संबंधी प्रोजेक्ट के ऐलान के बाद ये बैठक बहुत अहम मानी जा रही है।

महज दो घंटे में बेंगलुरू से हैदराबाद

इस कॉरिडोर का उद्देश्य इन बेंगलुरू और हैदराबाद दो प्रमुख आर्थिक केंद्रों के बीच कनेक्टिविटी को बदलना है और कनेक्टिविटी बेहतर करनी है। वर्तमान में, 606 किलोमीटर की यह यात्रा एक्सप्रेस ट्रेन से लगभग 8.5 घंटे में पूरी होती है। लरफपरियोजना का लक्ष्य यात्रा समय को घटाकर मात्र 2 घंटे करना है। 350 किमी/घंटा की स्पीड से ये ये ट्रेन दौड़ेगी।

प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद दोनों प्रमुख आईटी शहरों के बीच यात्रा समय घटकर लगभग 2 घंटे रह जाएगा, जो फिलहाल ट्रेन से 8-10 घंटे और सड़क मार्ग से 9-12 घंटे तक लगता है।

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर कर्नाटक में कहां होगा?

हालांकि इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का अधिकांश हिस्सा पड़ोसी राज्यों से होकर गुजरेगा, फिर भी लगभग 100 किलोमीटर ट्रैक कर्नाटक राज्य से होकर गुजरेगा।

संक्षिप्त समाचार

शराब नीति में राहत के बाद अब 'फांसी घर' की बारी, केजरीवाल ने रखी लाइव स्ट्रीमिंग की शर्त

दिल्ली की सियासत में 'फांसी घर' को लेकर मचा घमासान अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। शराब नीति मामले में अदालत से बड़ी राहत मिलने के बाद, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अब दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं।

समिति ने केजरीवाल के साथ-साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़लान को भी तलब किया है।

पीएम मोदी ने कतर के 'अमीर' को किया कॉल, भारतीय समुदाय की तरफ से जताया आभार

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि बातचीत काफी सकारात्मक रही है। पिछले एक दशक में भारत के संबंध कतर समेत मिडिल ईस्ट के देशों से काफी मजबूत हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कतर और भारत के बीच मजबूत संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि संकट और तनाव की स्थिति में भारत कतर के साथ मजबूती से खड़ा है। कतर की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन की कड़ी निंदा करता है।

पीएम ने कतर शासन का जताया शुक्रिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस बातचीत में उन्होंने कतर के अमीर का भारतीय समुदाय की चिंता करने और उन्हें संभव सहयोग देने के लिए शुक्रिया अदा किया है। बता दें कि कतर में लाखों की संख्या में भारतीय कामगार, आईटी और मेडिकल प्रोफेशनल काम करते हैं। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

- पीएम मोदी ने कतर के अमीर का भारतीय समुदाय को दिए जाने वाले सहयोग के लिए आभार जताया है। यह दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में अहम है।

- मौजूदा राजनीतिक हालात में भारत ने लगातार कूटनीतिक समाधान की वकालत की है।

होली पर सीएम धामी की बड़ी सौगात, एक क्लिक पर 9.57 लाख लाभार्थियों के खाते में 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि

(जीएनएस)।

होली से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 9.57 लाख से अधिक लाभार्थियों को 141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि वितरित की। जिसमें मासिक पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान भी शामिल किया गया। सीएम धामी ने वन-क्लिक से फरवरी 2026 की पेंशन किश्त जारी की।

सीएम ने अधिकारियों को पेंशन प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के सख्त निर्देश दिए। सीएम ने साफ किया कि हर पात्र तक योजना का लाभ पहुंचना चाहिए, उन्होंने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा समाज कल्याण विभाग की माह फरवरी 2026 की पेंशन किश्त का वन-क्लिक के माध्यम से सफलतापूर्वक भुगतान किया गया। इस अवसर पर कुल 9,57,651 लाभार्थियों को ₹14,191.61 लाख अर्थात ₹141 करोड़ 91 लाख 61 हजार की धनराशि वितरित की गई। यह राशि मासिक पेंशन के साथ-साथ एरियर भुगतान को भी सम्मिलित करती है।

फरवरी माह में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत 5,93,184 लाभार्थियों को प्रति माह ₹1500 की दर से ₹8897.76 लाख की धनराशि वितरित की गई, जबकि विधवा पेंशन योजना के तहत 2,31,593 लाभार्थियों

को ₹1500 प्रतिमाह की दर से ₹3473.895 लाख का भुगतान किया गया। दिव्यांग पेंशन योजना में 87,477 लाभार्थियों को ₹1500 प्रतिमाह के अनुसार ₹1312.155 लाख की राशि हस्तांतरित की गई।

किसान पेंशन योजना के अंतर्गत 27,638 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह की दर से ₹331.656 लाख वितरित किए गए। परित्यक्ता पेंशन योजना में 8,096 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह के अनुसार ₹97.24 लाख की राशि दी गई, जबकि भरण-पोषण अनुदान योजना के अंतर्गत 7,409 लाभार्थियों को ₹700 प्रतिमाह की दर से ₹51.86 लाख वितरित किए गए।

तीलू रौतेली पेंशन योजना में 2,125 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह के अनुसार ₹25.5 लाख की राशि प्रदान की गई तथा बौना पेंशन योजना के तहत 129 लाभार्थियों को ₹1200 प्रतिमाह की दर से ₹1.55 लाख की धनराशि हस्तांतरित की गई।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेंशन प्रकरणों का निस्तारण पूर्ण तत्परता और समयबद्धता के साथ किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पेंशन योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों तक पहुँचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान संचालित किया जाए और वंचित एवं कमजोर वर्गों को योजनाओं से जोड़ने के लिए नवाचार आधारित प्रभावी कार्ययोजना शीघ्र प्रस्तुत की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यभर में आयोजित शिविरों का व्यापक सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप पेंशनार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनशील और प्रतिबद्ध कार्यशैली का प्रमाण बताते हुए निर्देश दिए कि दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों में ऐसे विशेष अभियान निरंतर जारी रखे जाएँ ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

सम्पादकीय

युद्ध का अपना है अर्थशास्त्र

युद्ध का अर्थशास्त्र ईंरान, इजरायल-अमेरिका का युद्ध भले ही भारत का नहीं है किन्तु इसका असर भारत पर जरूर पड़ेगा। पहला प्राभाव तो यही पड़ रहा है कि भारत के तेल वाहक जहाजों का आवागमन जलडमरू मध्य से होता हुआ गुजरता है और ईंरान ने उसे बंद कर दिया है। इसी तरह जो भारतीय नागरिक पर्यटन या बिजनेस वीजा पर अरब देशों में गए थे और वहां पर ईंरानी गोले बरस रहे हैं। ऐसे में उन्हें सुरक्षित भारत ले आना अब भारत की जिम्मेदारी हो गईं है। दरअसल युद्ध का अर्थशास्त्र बड़ा ही बेढंगा है। इस युद्ध से जहां ईंरान और इजरायल दोनों को क्षति हो रही है, वहीं अमेरिकी शस्त्र व्यापारियों के लिए अच्छा अवसर लेकर आया है। अमेरिका के जिन ठिकानों पर ईंरान हमले कर रहा है, वहां पर नेवी के वुशल सैन्य अधिकारी तैनात हैं और वे ईंरान की तरफ से दागे जा रही मिसाइलों को निष्क्रिय भी कर रहे हैं किन्तु यदि जो भी सही सलामत गिर गईं तो वह व्यापक क्षति पहुंचा रही है। अमेरिका अपनी इस क्षति को खुद ही बढ़ा-चढ़ा कर पेश कर रहा है किन्तु जवाब में ईंरान की वायुसेना एवं नेवी सिस्टम को तबाह कर रहा है। ईंरान के ज्यादातर वैमरों को इजरायल ने बहुत पहले ही हैक कर लिया है। इसलिए ईंरान में जो भी गतिविधियां हो रही हैं, उनकी जानकारी इजरायली खुफिया तंत्र हासिल करके अपनी रणनीति बनाने में जुट जाता है। इजरायल ने पिछले काफी दिनों से इतना कठिन युद्ध का सामना नहीं किया था। वह तो 7 अक्टूबर 2023 की घटना के बाद से सक्रिय हुआ। इजरायल जानता है कि उसके खिलाफ हर अरब मुल्क है, कोई कम कोई ज्यादा किन्तु इजरायल सभी को अपना शत्रु समझता है। उसकी सुरक्षा नीति से उत्पन्न परंपराओं के कारण ही इजरायल इस वक्त बारूदी कारोबार में व्यस्त हो गया है और जल्द ही वह फिर से शस्त्रों की फैक्ट्री बन सकता है। एक बात बड़ी स्पष्ट है कि अब तक जो ईंरान हमास, हूती और हिजबुल्ला को आर्थिक मदद देकर इजरायल को परेशान करता था, अब वह यह सब खुराफात नहीं कर पाएगा। यही नहीं जिस तरह ईंरान का सम्पूर्ण रक्षा तंत्र तबाह हो रहा और ईंरान में कोई नेतृत्व आगे आकर शांति पहल नहीं कर रहा है बल्कि वह इजरायल, अमेरिका और सऊदी अरब की रणनीति के मुताबिक ही बदहवासी का परिचय दे रहा है, उससे लगता तो यही है अब ईंरान न सिर्प अपने परमाणु कार्यव्रम भूल जाएगा बल्कि वह खाड़ी का सर्वाधिक शांति प्रिय देश भी बन जाएगा। एनपीटी पर हस्ताक्षर करने के बावजूद अपने परमाणु कार्यव्रमों को आगे बढ़ाने की जिस अकड़ में ईंरान ने हमेशा इजरायल को शैतान बताकर उसके अस्तित्व को मिटाने की इच्छा पाल रखी थी, यही उसके लिए घातक साबित हुईं। उम्मीद की जानी चाहिए कि यदि ईंरान में कोईं अमेरिका समर्थित सरकार बन गईं और उसे गृह युद्ध का सामना नहीं करना पड़ा तो निति तौर पर ईंरान में आर्थिक प्रागति के रास्ते खुल जाएंगे क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय देश ईंरान के खिलाफ प्रातिबंध हटा लेंगे। लब्बोलुआब यह है कि ईंरान में राजनीतिक स्थिरता आने तक उठापटक तो चलती रहेगी किन्तु बड़ा देश होने के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्राधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू किसी तरह की जल्दबाजी नहीं करेंगे। रही बात भारत की तो इसे बहुत संयमित एवं संवेदनशील तरीके से वूटनीतिक कौशल का परिचय देने की जरूरत है। वुल मिलाकर गोलों की आवाज शांत होते ही आर्थिक चिन्ता सभी पक्षों को होगी। यदि ईंरान में विकास आम जनता के प्राति संवेदनशील सरकार आईं तो देश की छवि भी बदल सकती है।

कौन हैं लक्ष्मी वर्मा, किस जाति से? इकलौती महिला उम्मीदवार को भाजपा क्यों भेज रही राज्यसभा

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ की सियासत में राज्यसभा चुनाव 2026 को लेकर हलचल तेज है। भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने जब उम्मीदवारों की सूची जारी की तो सबसे ज्यादा चर्चा एक नाम पर थम गई, और वह नाम है लक्ष्मी वर्मा। सवाल उठने लगे कि आखिर कौन हैं लक्ष्मी वर्मा, किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आती हैं और पार्टी ने उन्हें ही क्यों चुना।

छत्तीसगढ़ से बीजेपी की इकलौती महिला चेहरा

राज्यसभा की दो सीटें छत्तीसगढ़ से खाली हो रही हैं। बीजेपी ने इनमें से एक सीट के लिए लक्ष्मी वर्मा को मैदान में उतारा है। वह इस सूची में पार्टी की इकलौती महिला उम्मीदवार हैं। लंबे समय से अटकलें थीं कि इस बार संगठन सामाजिक संतुलन और महिला प्रतिनिधित्व दोनों को साधेगा। यही रणनीति आखिरकार टिकट वितरण में साफ दिखी।

55 वर्षीय लक्ष्मी वर्मा एमए लोक प्रशासन की पढ़ाई कर चुकी हैं। राजनीति में उनका सफर तीन दशक पुराना है। 1994 में रायपुर के वार्ड नंबर 7 से पार्षद चुनी गईं और यहीं से उनकी सक्रिय राजनीति की शुरूआत हुई। वर्ष 2000 में रायपुर लोकसभा क्षेत्र में सांसद प्रतिनिधि की भूमिका निभाई।

2010 में रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष बनीं। संगठन में भी उनका कद लगातार बढ़ता गया और 2021 में प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उसी साल उन्होंने भाजपा मीडिया प्रवक्ता के तौर पर भी काम किया। 2024 में उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य बनाया गया।

लक्ष्मी वर्मा राजनीतिक सफर

1994: रायपुर के वार्ड नंबर 7 से पार्षद चुनी गईं

2000: रायपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रतिनिधि रहीं

2010: रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुईं

2021: प्रदेश उपाध्यक्ष बनीं

2021: मीडिया प्रवक्ता की जिम्मेदारी संभाली

2024: राज्य महिला आयोग की सदस्य बनीं

लक्ष्मी वर्मा कुर्मी समाज से आती हैं, जो ओबीसी वर्ग में महत्वपूर्ण माना जाता है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में सामाजिक समीकरण बेहद अहम भूमिका निभाते हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, ओबीसी और महिला वर्ग दोनों को साथ लेकर चलने की रणनीति के तहत यह फैसला लिया गया है।

प्रदेश संगठन ने राज्यसभा के लिए सात नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेजा था। शुरूआती सूची में लक्ष्मी वर्मा के साथ नारायण चंदेल, सरोज पांडेय, भूपेंद्र सवन्नी, किरण बघेल, डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी और निर्मल शामिल थे। मंथन के बाद तीन नाम शॉर्टलिस्ट किए गए, जिनमें लक्ष्मी वर्मा, नारायण चंदेल और डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी थे।

आखिरकार केंद्रीय नेतृत्व ने लक्ष्मी वर्मा के नाम पर मुहर लगा दी। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि महिला प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता देने की रणनीति ने समीकरण बदल दिए।

लक्ष्मी वर्मा को भाजपा क्यों भेज रही है राज्यसभा?

पार्टी लंबे समय से संकेत दे रही थी कि इस बार 'मातृशक्ति' को आगे लाया जाएगा। लक्ष्मी वर्मा की महिला वर्ग में मजबूत पकड़ मानी जाती है। संगठन में 30 साल की सक्रियता और जमीनी अनुभव को देखते हुए उन्हें राज्यसभा भेजने का फैसला हुआ।

लक्ष्मी वर्मा का राज्यसभा पहुंचना सिर्फ एक नाम का चयन नहीं है। यह संदेश है कि बीजेपी सामाजिक संतुलन, महिला सशक्तिकरण और संगठनात्मक निष्ठा को एक साथ साधना चाहती है। कुर्मी समाज की प्रतिनिधि और तीन दशक के अनुभव वाली नेता को आगे कर पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि 2026 की सियासत में रणनीति अब और ज्यादा सूक्ष्म हो चुकी है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में यह फैसला आने वाले समय में किस तरह असर डालेगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

छत्तीसगढ़ में जीत का गणित

छत्तीसगढ़ विधानसभा में कुल 90 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव जीतने के लिए 31 वोट जरूरी होते हैं। बीजेपी के पास 54 विधायक हैं, कांग्रेस के पास 35 और एक विधायक गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का है। ऐसे में दोनों प्रमुख दल एक-एक सीट आसानी से जीत सकते हैं।

इस बार जिन दो सांसदों का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 को खत्म हो रहा है, वे कांग्रेस की फूलोदेवी नेताम और केटीएस तुलसी हैं। कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। फिलहाल राज्य से राज्यसभा में कुल पांच सदस्य हैं। राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन का कार्यकाल 2028 तक है, जबकि भाजपा के देवेन्द्र प्रताप सिंह 2030 तक सदस्य बने रहेंगे।

नोटिफिकेशन 26 फरवरी 2026 को जारी हुआ। नामांकन की आखिरी तारीख 5 मार्च है। 6 मार्च को जांच होगी और 9 मार्च तक नाम वापसी की जा सकेगी। मतदान 16 मार्च को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना होगी। पूरी प्रक्रिया 20 मार्च 2026 तक पूरी कर ली जाएगी।

विश्व कप 2026 की उलटी गिनतीः ईरान युद्ध और मैक्सिको में हिंसा से उत्पन्न चुनौतियाँ

(जीएनएस)।

विश्व कप में 100 दिन शेष रहने के साथ, ईरान से जुड़ा मौजूदा संघर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टूनार्मेंट के लिए अतिरिक्त चुनौतियाँ लेकर आया है। आयोजक पहले से ही मैक्सिको में कार्टेल हिंसा, अमेरिका में कम हुए प्रशंसक उत्सव योजनाओं और उच्च टिकट कीमतों को लेकर आलोचना से जूझ रहे हैं। योग्य टीमों के अधिकारी इस सप्ताह अटलांटा में फीफा प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे हैं। टूनार्मेंट 11 जून को मैक्सिको सिटी में मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होने वाला है। यह विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा होगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जो कतर में भाग लेने वाली 32 टीमों से अधिक है।

विश्व कप 2026 के सामने नई चुनौतियां हैं

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अक्सर विश्व कप जैसे वैश्विक खेल आयोजनों को धूमिल कर देती है, खासकर मैचों से पहले। 2022 में, कतर को प्रवासी श्रमिकों और छक्कड़+ अधिकारों के साथ इलाज को लेकर जांच का सामना करना पड़ा। रूस के 2018 के टूनार्मेंट को क्रीमिया के विलय और ब्रिटेन में जासूसी विषाक्तता जैसी घटनाओं ने चिह्नित किया। 2014 में ब्राजील और 2010 में दक्षिण अफ्रीका ने अपराध और सुरक्षा चिंताओं का सामना किया। 2026 का टूनार्मेंट अमेरिका और भाग लेने वाले देशों के बीच राजनीतिक तनाव के खिलाफ आयोजित किया गया है, जिनमें से कई टैरिफ या यात्रा प्रतिबंधों का सामना करते हैं।

विश्व कप में ईरान की स्थिति स्पष्ट नहीं है

ईरान को इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में दो ग्रुप स्टेज मैच और सिएटल में एक मैच खेलने का कार्यक्रम है। हालाँकि, इस बात को लेकर

अनिश्चितता बनी हुई है कि ईरानी टीम भाग लेगी या नहीं, क्योंकि हाल ही में अमेरिकी और इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनी और अन्य अधिकारियों की मौत हो गई। इन तनावों के बावजूद, ईरान ने टूनार्मेंट से हटने की घोषणा नहीं की है। ईरान को बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है।

प्रशंसक उत्सवों को छोटा किया जा रहा है

पूरी दुनिया में प्रशंसक उत्सव दो दशकों से विश्व कप के अनुभव का अभिन्न अंग रहे हैं, जो टिकट के बिना प्रशंसकों को बड़ी स्क्रीन पर मैच का आनंद लेने की अनुमति देते हैं। हालाँकि, कुछ अमेरिकी योजनाओं को छोटा किया जा रहा है। न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी ने अपने फैन फेस्ट को रद्द कर दिया, जबकि हर टूनार्मेंट दिवस के लिए एक कार्यक्रम के लिए टिकट बेच रहा था। सिएटल ने अपने उत्सव के आकार को कम कर दिया और बोस्टन ने अपने कार्यक्रम को 16 दिनों तक छोटा कर दिया। मियामी की मेजबानी समिति अपना कार्यक्रम रद्द कर सकती है यदि जल्द ही संघीय धन सुरक्षित नहीं किया गया।

फॉक्सबोरो गेम्स को खतरा

मैसाचुसेट्स के फॉक्सबोरो में न्यू इंग्लैंड पैट्रियट्स स्टेडियम 13 जून को हैती-स्कॉटलैंड से शुरू होकर 9 जुलाई को क्वार्टर फाइनल के साथ समाप्त होने वाले सात विश्व कप मैचों की मेजबानी करने वाला है। हालाँकि, फॉक्सबोरो के सिलेक्ट बोर्ड ने 17 मार्च तक पुलिस और अन्य खर्चों के लिए वरू 7.8 मिलियन का भुगतान करने तक परमिट जारी करने से इनकार कर दिया है। शहर का दावा है कि उसे बोस्टन के साथ फीफा के मेजबानी समझौते में शामिल नहीं किया गया था।

फीफा की टिकट कीमतों के खिलाफ विरोध

फीफा के पास विश्व कप मैचों के लिए लगभग 7 मिलियन सीटें उपलब्ध हैं, लेकिन पिछले महीने 500 मिलियन टिकट अनुरोध प्राप्त हुए। फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो द्वारा बिक जाने के दावों के बावजूद, कुछ प्रशंसकों को एक अतिरिक्त 48 घंटे की टिकट बिक्री विंडो की पेशकश करने वाले ईमेल मिले। दिसंबर में टिकट की कीमतें वरू 8,680 तक पहुँच गईं। आलोचना के बाद, फीफा वफादार प्रशंसकों के बीच वितरण के लिए राष्ट्रीय संघों को प्रति गेम सीमित संख्या में वरू 60 के टिकट प्रदान करेगा।

मैक्सिको में कार्टेल हिंसा

एक कार्टेल नेता को सेना द्वारा मारे जाने के बाद हाल ही में जालिस्को में हुई हिंसा के बाद एक सह-मेजबान के रूप में मैक्सिको की क्षमता की जांच की जा रही है। जालिस्को की राजधानी गुआडालाजारा, चार ग्रुप स्टेज मैचों की मेजबानी करने वाली है। इन चिंताओं के बावजूद, मैक्सिकन अधिकारी आश्वासन देते हैं कि विश्व कप बिना किसी समस्या के आगे बढ़ेगा। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने कहा कि टूनार्मेंट में भाग लेने वाले प्रशंसकों के लिए कोई खतरा नहीं है। फीफा अध्यक्ष इन्फेंटिनो ने मेजबान के रूप में मैक्सिको में विश्वास व्यक्त किया।

15,500 से ज्यादा फूलों के बीच सीएम रेखा गुप्ता ने किया 'फ्लावर फेस्टिवल' का आगाज

दिल्ली के दिल कनॉट प्लेस का सेंट्रल पार्क इन दिनों रंगों और खुशबू से सराबोर है। राजधानी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित चार दिवसीय 'फ्लावर फेस्टिवल 2026' का उद्घाटन किया। इस मौके पर एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल और कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली को स्वच्छ, हरित और आकर्षक बनाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पहले लोग ट्यूलिप देखने कश्मीर जाया करते थे, लेकिन अब एनडीएमसी की मेहनत से वही खूबसूरती दिल्ली में देखने को मिल रही है। उन्होंने इसे 'सेल्फी फेस्टिवल' बताते हुए कहा कि यह आयोजन नागरिकों के लिए बड़ा आकर्षण बन चुका है।

फाल्गुन में रंगों और खुशबू की बहार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि

फाल्गुन के महीने में आयोजित यह उत्सव राजधानी को रंगों और सुगंध से भर रहा है। उन्होंने एनडीएमसी के बागवानी विभाग के माली और अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत ने सेंट्रल पार्क को फूलों की दुनिया में बदल दिया है। उन्होंने अन्य विभागों से भी ऐसे प्रयासों से प्रेरणा लेने की अपील की, ताकि दिल्ली की सुंदरता और बढ़ सके।

18 थीम सेक्शन में 48 किस्मों के 15,500 से अधिक पौधे

फेस्टिवल में 18 अलग-अलग थीम आधारित सेक्शन तैयार किए गए हैं, जहां 48 प्रजातियों के 15,500 से ज्यादा गमले प्रदर्शित किए गए हैं। डहलिया, पेटूनिया, पैंसी, साल्विया और गेंदा जैसे मौसमी फूल खास आकर्षण का केंद्र हैं।

यहां ट्रे गार्डन, लैंडस्केप गार्डन, बड़े हैंगिंग बास्केट, टेरारियम, पूर्वी और पश्चिमी शैली की पुष्प सज्जाएं, जिनमें इकेबाना भी शामिल है, देखने को मिल रही हैं। जानवरों और पक्षियों के आकार में तैयार फ्लोरल फिगर, रंग-बिरंगे बोर्ड और पिरामिड, दिल, शंकु और बेलनाकार संरचनाएं खास तौर पर सेल्फी पॉइंट के रूप में विकसित की गई हैं।

यह उत्सव 3 मार्च से 6 मार्च 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा और प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है। यहां नर्सरी पौधे, बोनसाई, कैक्टस और सक्यूलेंट, हर्बल पौधे, हाइड्रोपोनिक सिस्टम, गार्डनिंग टूल्स, बीज, गमले, खाद और सजावटी सामग्री की बिक्री के लिए भी स्टॉल लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों से परिवार के साथ फेस्टिवल में आने और राजधानी को स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाए रखने के सामूहिक संकल्प में शामिल होने की अपील की। सेंट्रल पार्क में खिले इन फूलों के बीच दिल्ली सचमुच एक नई खुशबू के साथ मुस्कुरा रही है।

बिना मैच खेले ही बाहर हो सकती है टीम इंडिया? टूटेगा करोड़ों फैंस का दिल! आईसीसी ने बढ़ाई टेंशन

(जीएनएस)।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 अब सेमीफाइनल की दौड़ में पहुंच चुका है। टूनार्मेंट की चार सबसे मजबूत टीमें भारत, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। सेमीफाइनल मैच से पहले मुंबई और कोलकाता के मौसम को लेकर चिंताएं भी बनी हुई हैं। नॉकआउट मुकाबलों में अगर बारिश खेल बिगाड़ती है, तो फाइनल का टिकट किसे मिलेगा?

क्या सेमीफाइनल के लिए रखा गया है रिजर्व डे

इसके लिए आईसीसी (ICC) के नियम बेहद स्पष्ट हैं, जो सुपर-8 के प्रदर्शन को आधार बनाते हैं। आईसीसी ने दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए 'रिजर्व डे' का प्रबंध किया है। नियमानुसार, यदि मैच वाले दिन (5 मार्च को भारत बनाम इंग्लैंड और 4 मार्च को दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड) खराब मौसम के कारण खेल पूरा नहीं हो पाता है, तो अगले

दिन वहीं से मैच शुरू किया जाएगा जहां वह रुका था।

भारत-इंग्लैंड मैच पर रहेगी नजर

ग्रुप स्टेज के विपरीत नॉकआउट मैचों में परिणाम निकालने के लिए दोनों पारियों में कम से कम 10-10 ओवर का खेल होना अनिवार्य है। यदि रिजर्व डे पर भी भारी बारिश के कारण 10-10 ओवर का खेल संभव नहीं हो पाता, तब आईसीसी 'स्टैंडिंग्स रूल' लागू करेगी। 5 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाला भारत और इंग्लैंड का मुकाबला तकनीकी रूप से बेहद अहम है।

बिना खेले ही बाहर हो सकती है टीम इंडिया

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, यदि सेमीफाइनल मैच पूरी तरह धुल जाता है और रिजर्व डे पर भी नतीजा नहीं निकलता तो वह टीम फाइनल में पहुंचेगी जिसने सुपर-8 राउंड में अपने ग्रुप में टॉप किया था। इंग्लैंड की टीम सुपर-8 के ग्रुप-2 में टॉप पर रही थी। भारतीय टीम ने ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया था। यदि यह सेमीफाइनल रद्द होता है, तो सुपर-8 में बेहतर स्थिति होने के कारण इंग्लैंड सीधे फाइनल में प्रवेश कर जाएगा और टीम इंडिया बिना खेले ही टूनार्मेंट से बाहर हो जाएगी।

यही नियम पहले सेमीफाइनल (ईडन गार्डन्स, 4 मार्च) पर भी लागू होगा। दक्षिण अफ्रीका सुपर-8 के ग्रुप-1 में टेबल टॉपर रही थी, जबकि न्यूजीलैंड ने ग्रुप-2 में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया था। ऐसे में मैच रद्द होने की स्थिति में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल का टिकट मिलेगा।

बटाईदारों को भी मिलेंगे पीएम किसान के 2000 रुपये? 22वीं किस्त से पहले समझ लें नियम

(जीएनएस)।

देश के करोड़ों अन्नदाता हर चार महीने में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त का बेसब्री से इंतजार करते हैं। खेती की बढ़ती लागत, महंगे बीज और खाद के खर्च के बीच सरकार द्वारा दी जाने वाली 2-2 हजार रुपये की यह मदद छोटे और सीमांत किसानों के लिए किसी बड़े संबल से कम नहीं है।

हालांकि, ग्रामीण इलाकों में अक्सर एक बड़ा सवाल चर्चा का विषय बना रहता है कि क्या वे किसान भी इस योजना के पात्र हैं, जो अपनी जमीन के बजाय दूसरों के खेतों को 'बटाई' या पट्टे पर लेकर खेती करते हैं? चूंकि गांवों में भूमिहीन किसानों की एक बड़ी आबादी बटाई पर ही निर्भर है, इसलिए इसे लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति बनी रहती है। आइए विस्तार से समझते हैं कि केंद्र सरकार के मौजूदा दिशा-निर्देश इस बारे में क्या कहते हैं और किन शर्तों को पूरा करने पर ही यह राशि सीधे बैंक खाते में ट्रांसफर की जाती है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। इसके तहत पात्र किसान परिवारों को सालाना 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता

प्रदान की जाती है। यह राशि 2,000 रुपये की तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाती है। अब तक सरकार सफलतापूर्वक 21 किस्तें जारी कर चुकी है, जिससे देशभर के करोड़ों किसानों को अपनी कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए सरकार ने कुछ कड़े और स्पष्ट नियम तय किए हैं। सबसे महत्वपूर्ण शर्त जमीन का मालिकाना हक

राजस्व रिकॉर्डः योजना के लाभार्थियों की पहचान उनके आधिकारिक भू-राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर की जाती है।

नाम दर्ज होना अनिवार्यः केवल वही किसान इस योजना का लाभ पाने के हकदार हैं, जिनके नाम पर राज्य के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में खेती योग्य भूमि दर्ज है।

अन्य औपचारिकताएंः पात्र होने के लिए किसान का बैंक खाता आधार से लिंक होना, ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण होना और भूमि का नामांतरण अपडेट होना अनिवार्य है।

बटाईदार किसानों के लिए क्या है कानूनी स्थिति?

गांवों में एक बड़ी संख्या ऐसे किसानों की है जो 'बटाई' पर खेती करते हैं। ये किसान मेहनत तो पूरी करते हैं और फसल का एक तय हिस्सा या किराया जमीन मालिक को देते हैं, लेकिन कानूनी रूप से उस जमीन के मालिक नहीं होते।

जमीन के बिना लाभ नहींः मौजूदा सरकारी नियमों के मुताबिक, जिन किसानों के पास अपनी कोई खेती योग्य जमीन नहीं है और वे पूरी तरह बटाई पर निर्भर हैं, उन्हें पीएम किसान योजना का लाभ नहीं मिलता है।

अपवाद की स्थितिः यदि कोई किसान किसी दूसरे की जमीन बटाई पर जोत रहा है, लेकिन उसके पास खुद के नाम पर भी थोड़ी-बहुत खेती योग्य जमीन दर्ज है, तो वह अपनी उस निजी जमीन के आधार पर योजना के लिए आवेदन कर सकता है।

जमीन मालिक को लाभः बटाई की स्थिति में योजना का लाभ उस व्यक्ति को मिलता है जिसके नाम पर जमीन का कागज (खतौनी) है, न कि उसे जो उस पर वास्तव में हल चला रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

जमीन का पट्टा दिलाने के नाम पर 75 हजार की ठगी, वकील पर धोखाधड़ी का आरोप

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के अढ़ैया गांव की एक महिला ने सिविल कोर्ट में बैठने वाले एक वकील पर जमीन का सरकारी पट्टा दिलाने के नाम पर 75 हजार रुपये ठगने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले की तहरीर थाने में देकर न्याय की गुहार लगाई है।

अढ़ैया गांव निवासी अनीता देवी पत्नी बनवारी लाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह पड़ोसियों द्वारा उत्पीड़न से परेशान थीं। समस्या के समाधान के लिए वह फतेहपुर सिविल कोर्ट परिसर में बैठने वाले अधिवक्ता विनोद त्रिपाठी से मिलीं।

पीड़िता के अनुसार, अधिवक्ता ने उन्हें सड़क किनारे एक बीघा सरकारी जमीन का पट्टा दिलाने का झांसा दिया और इसके एवज में एक लाख रुपये की मांग की। बातचीत के बाद यह तय हुआ कि 75 हजार रुपये अग्रिम दिए जाएंगे और शेष 25 हजार रुपये पट्टा मिलने के बाद दिए जाएंगे।

महिला ने आरोप लगाया कि 4 अक्टूबर 2025 को उसने पहली किस्त के रूप में 75 हजार रुपये नकद दे दिए। कुछ दिनों बाद से ही अधिवक्ता का मोबाइल फोन बंद आने लगा। जब वह उनके द्वारा बताए गए खागा ओवरब्रिज के पास स्थित पते पर पहुंची तो वहां मौजूद लोगों ने बताया कि इस नाम का कोई व्यक्ति उस पते पर नहीं रहता।

अपने साथ ठगी होने का एहसास होने पर पीड़िता ने घटना से संबंधित वीडियो साक्ष्यों के साथ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सांसद हेमा मालिनी के बनाया इंडिया-दक्षिण अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष : अन्य राजनैतिक दलों के नेता भी हैं ग्रुप में शामिल

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा की सांसद हेमा मालिनी को इंडिया-साउथ अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के साथ रिश्ते मजबूत करने की यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी है। कहा कि जिसके साथ भारत के मजबूत और गहरे रिश्ते, सांस्कृतिक संबंध और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीका में हमारे बहुत भारतीय लोग रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दल दक्षिण अफ्रीका के साथ द्विपक्षीय रिश्ते को और भी अधिक मजबूत करेगा तथा आपसी समझ को बढ़ावा देगा। कहा कि हमें उम्मीद है कि हम व्यापार, तकनीकी, सोशल पॉलिसी और संस्कृति पर पार्टनरशिप को आसान बना पाएंगे। उन्हें लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने नॉमिनेट किया है। विगत 23 फरवरी को लोकसभा सेक्रेटेरिएट के डायरेक्टर ने एक लेटर जारी किया था, जिसमें लिखा है, "18-वीं लोकसभा के टर्म के लिए साउथ अफ्रीका के साथ हमारी पार्लियामेंट में एक पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया गया है। सांसद हेमा मालिनी के लिए लिखा है कि स्पीकर लोकसभा, आपको इंडिया-साउथ अफ्रीका पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए खुश हैं। पीआईबी की प्रेस रिलीज के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर ने ग्लोबल लोकतांत्रिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए 60 से ज्यादा देशों के साथ एक पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप बनाया है। इनमें श्रीलंका, जर्मनी, न्यूजीलैंड, स्विट्जरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, भूटान, सऊदी अरब, इजराइल, मालदीव, यूएसए, रूस, ईयू पार्लियामेंट, साउथ कोरिया, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम, ग्रीस, सिंगापुर, ब्राजील, वियतनाम, मैक्सिको, ईरान और यूएई शामिल हैं। स्पीकर ने फ्रेंडशिप ग्रुप में अलग-अलग पार्टियों के नेताओं को शामिल किया है। इनमें रविशंकर प्रसाद, डा. एम. थंबीदुरई, पी. चिदंबरम, प्रो. रामगोपाल यादव, टीआर. बालू, डा. काकोली घोष दस्तीदार, मनीष तिवारी, अखिलेश यादव, केसी. वेणुगोपाल, डा. शशि थरूर, कनिमोझी करुणानिधि, राजीव प्रताप रूढ़ी, सुप्रिया सुले, संजय सिंह और प्रफुल्ल पटेल शामिल हैं।

होली को लेकर अनपरा पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, ...शांति-सुरक्षा से पर्व मनाने को दिया संदेश

(जीएनएस)।

रेणुसागर (सोनभद्र)। होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से अनपरा पुलिस द्वारा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर अनपरा बाजार, ककरी मोड़, रेणुसागर मार्ग एवं संवेदनशील इलाकों से होते हुए प्रमुख चौराहों तक पहुंचा। इस दौरान पुलिस बल ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए होली त्यौहार में आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की।क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय ने

कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, इसे प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सुरक्षित होली मनाने की भी अपील की।

थाना प्रभारी सतेन्द्र राय ने बताया कि त्योहार को देखते हुए पुलिस द्वारा लगातार गश्त, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस कर्मियों की मौजूदगी से आमजन में सुरक्षा की भावना दिखाई दी और लोगों ने पुलिस की पहल का स्वागत किया।

सदर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दो बदमाशों को किया गिरफ्तार : अवैध हथियार और कारतूस हुए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना सदर बाजार क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी सदर बाजार सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी सिविल लाइन मोनू कुमार पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा शातिर बदमाश डिफेंस कॉलोनी रोड़ पर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी सिविल लाइन मोनू कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखते ही वहां खड़ा गैंगस्टर एक्ट में फरार शातिर बदमाश भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का

प्रयास कर रहे शातिर बदमाश विशाल पुत्र राकेश हाल निवासी मोहल्ला चुरियाना थाना कोतवाली, मूल निवासी गोकुलपुरम कॉलोनी थाना सदर बाजार, मथुरा को घेराबंदी करके दबोच लिया। इसके बाद दूसरी सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सुधीर कुमार और चौकी प्रभारी मोनू कुमार ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे शातिर बदमाश कृष्णमुरारी उर्फ कृष्णा पुत्र छिद्दीलाल निवासी गांव भदाल थाना जैंत, मथुरा को नीमबाड़ी से यमुना की ओर जाने वाले रोड़ से घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर बदमाश कृष्ण मुरारी उर्फ कृष्णा की तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए बदमाश गैंगस्टर एक्ट में लम्बे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

दिल्ली से लखनऊ तक,भारत में कई जगहों पर दिखा ब्लड मून

(जीएनएस)।

साल 2026 का पहला चंद्र ग्रहण मंगलवार को पूरे देश में नजर आया, दिल्ली , बेंगलुरु, असम की सुंदर तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। आपको बता दें कि साल 2026 में लगा चंद्र ग्रहण धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

चंद्रमा मन, भावनाओं, माता और मानसिक स्थिति का कारक ग्रह है। जब चंद्रग्रहण लगता है तो इसका प्रभाव व्यक्ति के मन, करियर, आर्थिक स्थिति और रिश्तों पर साफ दिखाई देता है।

दिल्लीः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; इंडिया गेट के पास से चांद के नजारे।

पश्चिम बंगालः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; कोलकाता के पास से चांद के नजारे।

असमः आंशिक चंद्र ग्रहण शुरू; गुवाहाटी से चांद के नजारे।

चंडीगढ़ः पूरे शहर में चंद्र ग्रहण के दौरान आसमान में ब्लड मून की रोशनी दिखाई दी।

उत्तर प्रदेशः आंशिक चंद्र ग्रहण चल रहा है लखनऊ के पास से चांद के नजारे।

बेंगलुरु में दिखा इ'ड्ड्ड्ट्ड्ड्ल्ल

उँल्लिं ऋ्लल्ल 2026 द्रूर

ग्रहण के दौरान सूतक काल में कई नियमों का पालन किया जाता है लेकिन जैसे ही चंद्र ग्रहण समाप्त होता है, लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल होता है-अब क्या करें?

अब क्या करें?

जैसे ही ग्रहण समाप्त हो, पूरे परिवार को स्नान करना चाहिए। मान्यता है कि ग्रहण के दौरान वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है। इसके बाद पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करें। मंदिर की सफाई करें, चंद्र ग्रहण के बाद दान का विशेष महत्व होता है, चावल, दूध या सफेद पेड़े का दान करें। तुलसी माता की पूजा करें और नया और शुद्ध भोजन बनाकर ही ग्रहण करें। ग्रहण समाप्त होने के बाद गर्भवती महिलाएं भी स्नान करें और भगवान का ध्यान करें।

चंद्र ग्रहण हमें यह सिखाता है कि अंधकार स्थायी नहीं होता। जैसे ग्रहण खत्म होता है और चांद फिर से अपनी रोशनी बिखेरता है, वैसे ही जीवन की कठिनाइयां भी समाप्त हो जाती हैं। ये हमें ये भी सिखाता है कि जब दो लोगों के बीच में कोई तीसरा आता है तो चीजें बिगड़ जाती हैं इसी तरह से जीवन के रिश्ते हैं, इन्हें आप संभालकर रखिए और अपने संबंधों में किसी तीसरे को जगह ना दें।

साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त 2026 को लगेगा और ये भी भारत में नजर नहीं आएगा।। भारतीय समयानुसार ये ग्रहण रात 9:04 ढट से सुबह 4:25 अट बजे तक रहेगा, यूरोप, कनाडा, ग्रीनलैंड में ये नजर आएगा, इसका सूतककाल भारत में प्रभावी नहीं होगा इसलिए इसका सूतक काल नहीं लगेगा।

मोनी नैन कौन हैं? टीटीए ने ऑन ड्यूटी किया ऐसा 'कांड'! इंडियन रेलवे ने लगा दी क्लास-कहां तैनात?

(जीएनएस)।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तैनात एक ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर (TTE) और टिकट कलेक्टर अचानक सोशल मीडिया सेंसेशन बन जाए, ये सुनकर थोड़ा अजीब जरूर लगता है। लेकिन यही हुआ जब मोनी नैन की रील्स इंटरनेट पर तेजी से वायरल होने लगीं। लोग उन्हें 'ग्लैमरस TTE' कहकर शेयर करने लगे, लेकिन कुछ ही दिनों में ये वायरल फेम एक विवाद में बदल गया।

मोनी नैन स्पोर्ट्स कोटा के जरिए नॉर्दर्न रेलवे में भर्ती हुईं। नई दिल्ली स्टेशन पर ळळए-४-ळउ के पद पर पोस्टेड हैं। उनकी जिम्मेदारी यात्रियों के टिकट चेक करना, बिना टिकट वालों से जुमार्ना वसूलना और ट्रेनों में व्यवस्था बनाए रखना है। लेकिन ड्यूटी के अलावा मोनी ने इंस्टाग्राम पर एक मजबूत पहचान बनाई। उनके अकाउंट पर 3.6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। लिप-सिंक, लाइफस्टाइल, फिटनेस और ब्यूटी से जुड़ी रील्स पोस्ट करती थीं।

कई रील्स में मोनी रेलवे यूनिफॉर्म में नजर आती थीं। ये वीडियो अक्सर स्टेशन परिसर या ड्यूटी के दौरान शूट किए जाते थे। कभी टिकट चेकिंग के बीच में, कभी कैमरामैन साथ लेकर ट्रेंडिंग गानों पर डांस। फैंस को यह 'ग्लैमरस TTE' वाला कंटेंट पसंद आया, लेकिन यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स को लगा कि यह सरकारी ड्यूटी का दुरुपयोग है।

यूनिफॉर्म और सरकारी जगह को इन्फ्लुएंसर कंटेंट के लिए इस्तेमाल करना।

ड्यूटी के समय फोकस यात्रियों की सेवा पर होना चाहिए, न कि रील्स बनाने पर।

जल्द ही पर पोस्ट्स वायरल हो गए। यूजर्स ने दिल्ली रेलवे को टैग कर शिकायत की। सवाल उठाः 'क्या ऑन-ड्यूटी सरकारी कर्मचारी रील्स बना सकते हैं?'

रेलवे ने क्या कार्रवाई की?

दिल्ली डिवीजन के ऊफ्ट (डिविजनल रेलवे मैनेजर) ने तुरंत संज्ञान लिया। आधिकारिक बयान में पुष्टि की गई किः मोनी नैन को कड़ी चेतावनी जारी की गई।

ड्यूटी के दौरान वीडियो फिल्माने या अपलोड करने पर पूर्ण प्रतिबंध।

सभी काम से जुड़े रील्स/वीडियो तुरंत डिलीट करने के निर्देश।

मोनी ने निदेर्शों का पालन किया। अब उनके इंस्टाग्राम पर सिर्फ पर्सनल लाइफस्टाइल, ट्रैवल, फिटनेस और ब्यूटी कंटेंट बचा है। कोई भी रेलवे यूनिफॉर्म या स्टेशन से जुड़ा वीडियो नहीं दिखता।

यह घटना क्या सिखाती है?

सरकारी नौकरियों में नियम बहुत सख्त हैं। सार्वजनिक सेवा करदाताओं के पैसे से चलती है, इसलिए पेशेवर आचरण और अनुशासन सर्वोपरि है। सोशल मीडिया युग में हर कोई क्रिएटर बनना चाहता है, लेकिन सरकारी कर्मचारियों के लिए व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और ड्यूटी की जिम्मेदारी के बीच संतुलन जरूरी है।

मोनी नैन का केस बताता है कि वायरल फेम की चमक कितनी भी आकर्षक हो, लेकिन नियम तोड़ने की कीमत भारी पड़ सकती है। अब बहस जारी हैः क्या यह 'क्रिएटिव फ्रीडम' का मामला था या अनुशासनहीनता?

देवरिया के एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी ने वरिष्ठ नागरिक को ₹20 लाख की ठगी से बचाया

देवरिया, 03 मार्च, 2026ः उत्तर प्रदेश के देवरिया में एचडीएफसी बैंक के सतर्क कर्मचारी ने एक ग्राहक के ₹20 लाख सुरक्षित रखे, जिससे वह डिजिटल अरेस्ट स्कैम के जरिए धोखा करने वाले से ठगे जाने से बच गया। बैंक के एक बुजुर्ग ग्राहक, एचडीएफसी बैंक की देवरिया ब्रांच में अपने ₹20 लाख के फिक्स्ड डिपॉज़िट को समय से पहले बंद करने की रिक्वेस्ट लेकर आए। क्योंकि ग्राहक परेशान लग रहा था, इसलिए ब्रांच कर्मचारी को लगा कि कुछ गड़बड़ है। आगे पूछने पर ग्राहक ने वीडियो कॉल करने की बात कही। ब्रांच कर्मचारी को शक था कि यह साइबर धोखाधड़ी (डिजिटल अरेस्ट) का मामला है। ब्रांच कर्मचारी ने ग्राहक से बात की, उसे ऐसे धोखाधड़ी के तरीके के बारे में बताया और नंबर अवरुद्ध करने में ग्राहक की मदद की। धोखेबाजों ने पुलिस अधिकारी बनकर ग्राहक को ठगने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि उनके अकाउंट का इस्तेमाल धन शोधन के लिए किया जा रहा था और मामले की आगे जांच की जा रही है। इसके बाद धोखेबाजों ने ग्राहक से पैसे ट्रांसफर करने को कहा और बताया कि अगर वह बेगुनाह साबित हुआ तो पैसे वापस कर दिए जाएंगे। वीडियो कॉल के दौरान धोखेबाजों ने पुलिस अफसरों की वर्दी पहनी हुई थी और नकली गिरफ्तारी वारंट दिखाया। डिजिटल अरेस्ट क्या है? डिजिटल अरेस्ट स्कैम में, धोखेबाज पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर लोगों या बिजनेस को लक्षित करते हैं। पीड़ितों को टैक्स चोरी, रेगुलेटरी नियमों के उल्लंघन या वित्तीय के लिए डिजिटल अरेस्ट वारंट की धमकी दी जाती है। जालसाज डिजिटल अरेस्ट वारंट वापस लेने के लिए 'निपटान शुल्क' या 'जुमार्ना' के रूप में भुगतान मांगते हैं। भुगतान हो जाने के बाद, धोखेबाज अपनी पहचान का कोई निशान छोड़े बिना गायब हो जाते हैं।

धोखेबाजों के साथ व्यक्तिगत विवरण साझा करने की वजह से पीड़ितों को पैसे का नुकसान होता है और कभी-कभी पहचान की चोरी भी हो जाती है। डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी से खुद को बचाने के टिप्स • असली सरकारी अधिकारी या कानून लागू करने वाली एजेंसी कभी भी भुतान या बैंकिंग विवरण नहीं मांगेगी। ड्ट स्कैमर अक्सर आपको बिना सोचे-समझे तुरंत काम करने के लिए उकसाते हैं। ड्ट डउ डिटेल्स, बैंक डिटेल्स जैसे - यूजर ID पासवर्ड, कार्ड डिटेल्स, CVV, OTPs या PIN नंबर जैसी सेंसिटिव जानकारी किसी के साथ शेयर न करें। • हमेशा सरकारी अधिकारी या कानून लागू करने वाली एजेंसी से खुद संपर्क करके अधिकारी की पहचान वेरिफाई करें। • डॉक्यूमेंट्स में गलतियाँ देखें और संदिग्ध लिंक्स पर क्लिक करने से बचें। ऐसे संदिग्ध धोखाधड़ी वाले कम्युनिकेशन की रिपोर्ट तुरंत डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन के चक्षु पोर्टल - www.sancharsaathi.gov.in पर करें। अगर कोई व्यक्ति किसी ऑनलाइन फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत बैंक को अनऑथराइज्ड ट्रांजैक्शन की रिपोर्ट करनी चाहिए ताकि पेमेंट चैनल, यानी कार्ड/वढक/नेट बैंकिंग को ब्लॉक किया जा सके और भविष्य में होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कस्टमर्स को मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स (MHA) के शुरू किए गए 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके भी शिकायत करनी चाहिए और साथ ही नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://www.cybercrime.gov.in पर भी शिकायत करनी चाहिए।

अनपरा में अंग्रेजी शराब दुकान पर होली में खरीददारों की लगी भीड़

अनपरा।

होली पर्व को लेकर अनपरा शक्तिनगर बीना रेणुसागर क्षेत्र में अंग्रेजी शराब,बियर, देशी शराब की दुकानों पर मंगलवार को खरीददारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। त्योहार के मद्देनजर कई लोग पहले से ही स्टॉक करने के लिए दुकान पहुंच गए, जिससे दोपहर तक दुकानों के बाहर खासा जमावड़ा रहा।भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दुकानदारों की

टीम अंदर बाहर मौके पर मौजूद रही। दुकानों के बाहर सुरक्षा व्यवस्था सी सी कैमरे से की जा रही थी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। आबकारी विभाग की ओर से भी सतर्कता बरती गई और बिक्री पर नजर रखी गई।

दुकानदारों के अनुसार होली के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई है।होली को लेकर पूरे क्षेत्र में रंग गुलाल ,पिचकारी की दुकान पर भी उत्साह का माहौल है, बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है।

दिल्ली में ड्राई डे नहीं, शराब की दुकानें खुली जानें सही टाइमिंग

(जीएनएस)। रंगों का त्योहार होली इस बार 4 मार्च 2026 को मनाया जा रहा है। दिल्लीवासियों के लिए अच्छी खबर - इस साल होली पर शराब की दुकानें बंद नहीं होंगी। दिल्ली सरकार की जनवरी 2026 में जारी अधिसूचना के मुताबिक, होली को 'ड्राई डे' की लिस्ट से हटा दिया गया है। यानी, शराब की बिक्री पर कोई पाबंदी नहीं होगी।

ड्राई डे क्या होता है और इसे क्यों लागू किया जाता है?

ड्राई डे वे दिन होते हैं जब शराब की दुकानें बंद रहती हैं, आमतौर पर राष्ट्रीय छुट्टियों या धार्मिक पर्वों पर। जनवरी-मार्च 2026 की लिस्ट में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), महाशिवरात्रि (15 फरवरी), ईद-उल-फितर (21 मार्च), राम नवमी (26 मार्च) और महावीर जयंती (31 मार्च) को ड्राई डे घोषित किया गया है। लेकिन होली को बाहर रखा गया।

इस फैसले से लाइसेंस होल्डर्स को बंदी के लिए कोई मुआवजा नहीं मिलेगा। हालांकि, यह प्रतिबंध लाइसेंस प्राप्त होटलों और गेस्ट हाउसों पर लागू नहीं होता, जहां मेहमानों को शराब सर्व की जा सकती है।

पिछले सालों का रिकॉर्ड क्या कहता है?

पिछले दो दशकों में दिल्ली में होली ज्यादातर ड्राई डे रहा है, ताकि कानून-व्यवस्था की समस्याओं से बचा जा सके। अपवाद सिर्फ 2022 का था, जब अरविंद केजरीवाल की अअढ सरकार ने नई शराब नीति के तहत ड्राई डेज की संख्या घटाकर सिर्फ 3 कर दी थी।

राजनीतिक एंगलः इखढ का यू-टर्न?

इखढ, जो अब दिल्ली में सत्ता में है और होली को ड्राई डे लिस्ट से हटा चुकी है, ने 2022 में अअढ की आलोचना की थी। तत्कालीन दिल्ली इखढ अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा था, 'राष्ट्रीय छुट्टियों और धार्मिक भावनाओं के सम्मान में 21 ड्राई डे थे। केजरीवाल शराब माफिया की तरफ क्यों झुक रहे हैं? दिल्ली में रोज 50 करोड़ से ज्यादा की शराब बिकती है।'

अब इखढ के इस फैसले से राजनीतिक बहस छिड़ सकती है, खासकर जब केजरीवाल और मनीष सिसोदिया दिल्ली की पुरानी शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में बरी हो चुके हैं।

होली के मौके पर दिल्ली में वाइन और शराब की दुकानें सामान्य समय के अनुसार ही संचालित होंगी। जारी निर्देशों के मुताबिक दुकानों के खुलने और बंद होने का समय इस प्रकार रहेगाः

ओपनिंग टाइमः सुबह 10:00 बजे से

क्लोजिंग टाइमः रात 10:00 बजे तक

यानी होली के दिन भी दिल्ली में वाइन शॉप्स सुबह 10 बजे खुलेंगी और रात 10 बजे तक ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। हालांकि, किसी विशेष आदेश या स्थानीय प्रशासनिक निर्देश के अनुसार समय में बदलाव संभव है, इसलिए खरीदारी से पहले नजदीकी दुकान या आधिकारिक सूचना की पुष्टि करना बेहतर रहेगा।

(नोटः यह स्टैंडर्ड टाइमिंग है; किसी बदलाव के लिए दिल्ली एक्साइज डिपार्टमेंट की वेबसाइट चेक करें।)

यह फैसला त्योहार की मस्ती बढ़ाने वाला है, लेकिन जिम्मेदारी से सेलिब्रेट करें। ड्राइविंग से पहले शराब

लखनऊ में 'मेडिकल बैंक' शाखा का शुभारंभ – निःशुल्क चिकित्सा उपकरण अब जरूरतमंदों तक

लखनऊ : मानव सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मेडिकल बैंक की लखनऊ शाखा का भव्य उद्घाटन संस्थापक डॉ. बिंदु सिंह जी, सम्मानित संरक्षकों एवं विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में लखनऊ के शिरोज हैंगआउट में विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत के संयोजक श्री प्रमिल द्विवेदी ने कहा कि यह पहल उन जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी सिद्ध होगी, जिन्हें महंगे चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता होती है, परंतु संसाधनों के अभाव में वे उन्हें प्राप्त नहीं कर पाते इस अवसर पर ए2जेड ब्रांड कम्युनिकेशन ग्रुप के अखिल खरे एवं निशा अग्रवाल तथा ऑल इंडिया वुमन डेवलपमेंट सोसाइटी की अध्यक्ष एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास कानपुर की संयोजिका डॉ. बिंदु सिंह ने बताया कि मेडिकल बैंक आज समय की अत्यंत आवश्यक पहल है। अनेक घरों में व्हीलचेयर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वॉकर, हॉस्पिटल बेड जैसे महंगे

उपकरण उपयोग के बाद निष्क्रिय पड़े रहते हैं। मेडिकल बैंक ऐसे उपकरणों को संग्रहित कर पूरी तरह निःशुल्क जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य करेगा।लखनऊ में इस अभियान को सशक्त बनाने का दायित्व फिटनेस एक्टिविस्ट सुजाता पॉल जी, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रूबी राज सिन्हा जी, रश्रृछश्रृक की हेल्थ प्रोफेशनल एवं मिसेज यूनिवर्स नीमा पंत जी, मेकअप आर्टिस्ट प्राची श्रीवास्तव जी, टीम शेरोज हैंगआउट के नितिन जी एवं प्रमोद जी ने संभाला है। संरक्षक इंजीनियर एस. के. कमल सर की प्रेरणादायी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

कार्यक्रम में समाज, शिक्षा, कला एवं मीडिया जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें शिव संस्कृति कला फाउंडेशन की मीठू रॉय जी एवं असीम रॉय जी, डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह (रीजनल निदेशक, इग्नू), डॉ. शैली महाजन (राम मनोहर लोहिया अस्पताल), फीमेल बैंड मेरी ज़िन्दगी की टीम, लुलु मॉल की मार्केटिंग प्रमुख प्रीति मैम, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अवध प्रांत के संयोजक प्रमिल द्विवेदी जी, आकाशवाणी की उद्घोषक कस्तूरी सिंह जी, टीम रेड ब्रिगेड, अमन जावेद फारुकी (24 इंडिया टाइम्स), संस्थापक सौरभ त्रिवेदी जी, अभय त्रिवेदी, ज्योतिष विशेषज्ञ अर्चना त्रिपाठी जी, पूनम मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल रहे।मेडिकल बैंक परिवार सभी अतिथियों एवं समर्थकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

आम आदमी पार्टी के सांसद डॉक्टर अशोक मित्तल की अपील, 'शहीदों के नाम पर मनाएं होली'

(जीएनएस)। आम आदमी पार्टी के सांसद डॉक्टर अशोक मित्तल ने होली के त्योहार को रंग खुशी और उत्सव के साथ देश के लिए बलिदान देने वालों को याद करने के तौर पर मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि इस होली के रंगों के बीच एक ऐसी आवाज भी गूंज रही है, जो सिर्फ उत्सव की नहीं बल्कि कृतज्ञता और राष्ट्रभक्ति की है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद ने इस बार होली को एक विशेष संकल्प के साथ मनाने की अपील की है। एक ऐसा संकल्प जो हर भारतीय के दिल को छूता है।

डॉक्टर अशोक मित्तल ने कहा कि हम आजाद भारत में जो भी त्योहार मनाते हैं, जो भी खुशियां साझा करते हैं, जो भी रंग अपने जीवन में

भरते हैं, वह उन वीर जवानों के कारण संभव है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनकी शहादत ही हमारी आजादी की असली नींव है।

डॉक्टर मित्तल ने देशवासियों से आग्रह किया कि इस होली पर जब भी रंगों का उत्सव मनाएं, तो एक मुट्ठी लाल गुलाल आसमान की ओर उछालें। एक प्रतीक के रूप में, सम्मान के रूप में, उन शहीदों के नाम, जिनके बलिदान के कारण हम सुकून और सुरक्षा के साथ हर त्यौहार मना पाते हैं।

डॉ. अशोक मित्तल ने इसे केवल एक भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि जनभावना से जुड़ा एक राष्ट्रव्यापी संदेश बताया। उनका कहना है कि रंग सिर्फ खुशियों के नहीं, जिम्मेदारी के भी होते हैं। अगर हर घर, हर शहर, हर गली इस एक छोटे से संकल्प से जुड़ जाए तो यह सिर्फ श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन बन सकता है।

उन्होंने पंजाब की जनता का

मिडिल ईस्ट में जंग लेकिन भारत टेंशन फ्री, इतने दिनों का स्टॉक है कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल नहीं होगा महंगा

(जीएनएस)। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच भड़की जंग ने पूरी दुनिया की धड़कनें बढ़ा दी हैं, लेकिन भारत फिलहाल घबराया नहीं है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक देश कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी के मामले में "आरामदायक स्थिति" में है। भारत के पास 25 दिनों का कच्चा तेल का भंडार मौजूद है, जबकि 25 दिन का तेल और उत्पाद समुद्री रास्ते में ट्रांजिट में है। यानी तत्काल सप्लाई पर कोई बड़ा खतरा नहीं दिख रहा है।

तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में राज्यसभा में बताया था कि भारत का स्ट्रेटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व वैश्विक संकट की स्थिति में 74 दिन तक देश की जरूरतें पूरी कर सकता है। उन्होंने साफ कहा था कि भारत सिर्फ भूमिगत कैवर्न में रखे भंडार से ही नहीं, बल्कि रिफाइनरियों में मौजूद स्टॉक को भी जोड़कर अपनी गणना करता है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में रणनीतिक भंडार मौजूद हैं और ओडिशा में भी नई सुविधा शुरू करने की तैयारी है।

मिडिल ईस्ट में तनाव, लेकिन भारत तैयार

सरकार ने बताया कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक, चौथा सबसे बड़ा रिफाइनर और पेट्रोलियम उत्पादों का पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक देश है। यानी तेल के मामले में भारत की

पकड़ काफी मजबूत है। अभी देश के पास कच्चे तेल के साथ-साथ पेट्रोल, डीजल और एटीएफ का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, जिससे किसी भी तरह की अस्थायी परेशानी से निपटा जा सकता है।

सरकार ने 247 कंट्रोल रूम बनाया है, जो पूरे देश में तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर लगातार नजर रख रहा है। फिलहाल सरकार स्टॉक की स्थिति को लेकर काफी सहज है।

सरकार का कहना है कि आम लोगों के हितों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ी तो चरणबद्ध तरीके से कदम उठाए जाएंगे, ताकि किसी भी तरह की दिक्कत को समय रहते संभाला जा सके।

इस वजह से तेल की आवाजाही पर हुआ असर

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब ईरान ने होरमुज जलडमरूमध्य को बंद करने का ऐलान कर दिया। यह वही समुद्री रास्ता है जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आवाजाही होती है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के सलाहकार इब्राहीम जब्बारी ने चेतावनी दी कि इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करने वालों को कड़ा जवाब मिलेगा।

सूत्रों के मुताबिक सामान्य दिनों में जहां रोज 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे, वहीं अब हालात ये हैं कि एक दिन में महज एक या दो टैंकर ही निकल पा रहे हैं। करीब 700 से ज्यादा तेल टैंकर दोनों ओर फंसे हुए हैं और कई जहाजों पर हमले की भी खबरें हैं।

हालांकि पिछले कुछ सालों में भारत ने तेल खरीदने के स्रोत बढ़ाए हैं। अब भारतीय कंपनियां ऐसे देशों से भी तेल ले रही हैं, जिनकी सप्लाई र३१३ ड्ड लड्ड१४९ के रास्ते पर निर्भर नहीं है। अगर इस समुद्री रास्ते पर कुछ समय के लिए रुकावट भी आती है, तो दूसरे रास्तों से आने वाला तेल सप्लाई बनाए रखेगा।

भारत क्यों टेंशन फ्री है

दुनिया जहां तेल संकट की आशंका से सहमी है, वहीं भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत रखा है। 25 दिन का कच्चा तेल स्टॉक, 25 दिन का ट्रांजिट भंडार और 74 दिन की रणनीतिक क्षमता भारत को फिलहाल राहत दे रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर हालात और न बिगड़े तो आम लोगों को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तत्काल उछाल नहीं झेलना पड़ेगा।

मिडिल ईस्ट की जंग वैश्विक

होली 2026 मेट्रो : होली पर नमो भारत मेरठ मेट्रो की बदली टाइमिंग, जानें नया शेड्यूल क्या

(जीएनएस)। रंगों का त्योहार होली इस बार 4 मार्च 2026 (बुधवार) को मनाई जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और उत्सव के माहौल को ध्यान में रखते हुए नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (NCRTC) ने नमो भारत (RRTS) और मेरठ मेट्रो की सेवाओं में विशेष बदलाव किया है।

होली के दिन (4 मार्च 2026) का नया टाइमिंगः-

सुबह से शाम 5 बजे तक दोनों सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी।

शाम 5:00 बजे से सेवाएं दोबारा शुरू होंगी और रात 10:00 बजे तक नियमित रूप से चलेंगी।

यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि दिन के समय होली खेलने, रंग-उत्सव और भीड़भाड़ के दौरान कोई

सुरक्षा संबंधी समस्या न आए। त्योहार पर सड़कों पर बड़ी संख्या में लोग निकलते हैं, जिससे ट्रैफिक और स्टेशनों पर अव्यवस्था की आशंका रहती है। NCRTC का यह एहतियाती कदम यात्रियों और स्टाफ दोनों की सुविधा के लिए है।

नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सेवाएं रोजाना (सोमवार से रविवार तक) सुबह 6:00 बजे से रात 10:00 बजे तक चलती हैं। होली के अलावा किसी अन्य दिन में कोई बदलाव नहीं है।

यात्रियों के लिए सलाहः

4 मार्च को शाम 5 बजे से पहले मेट्रो/आरआरटीएस स्टेशन पर न पहुंचें, क्योंकि सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी।

शाम या रात में सफर की योजना बना रहे हैं, तो बिना किसी चिंता के यात्रा कर सकते हैं।

अपनी यात्रा की प्लानिंग पहले से कर लें और ठ्ठष्ह्लष्ट की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर अपडेट चेक करें।

यह बदलाव सिर्फ होली के दिन के लिए है, ताकि त्योहार की खुशियां बिना किसी परेशानी के मनाई जा सकें। रंगों की मस्ती में डूबिए, लेकिन सुरक्षित रहिए!

(स्रोतः NCRTC की आधिकारिक सूचना और हालिया अपडेट्स)

इजराइल ईरान वार में अब तक कितना पैसा बहा चुका अमेरिका ट्रम्प को आगे क्या भाव पड़ेगी जंग? देखें हिसाब

(जीएनएस)। ईरान और पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजरायल के हमले जैसे-जैसे तेज हो रहे हैं, वैसे-वैसे ध्यान सिर्फ जंग के मैदान पर नहीं, बल्कि अमेरिका के खर्च पर भी जा रहा है। अमेरिकी सेना ने एयरक्राफ्ट करियर, एडवांस फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात किए हैं। इसके साथ ही हर घंटे खर्च बढ़ता जा रहा है। जिसका दबाव वॉशिंगटन की सालाना वित्तीय बैलेंस शीट पर साफ दिख रहा है।

पहले फेज में ही फुंके सैकड़ों मिलियन डॉलर

ईरान और मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य अभियानों पर भारी पैसा खर्च हो रहा है। शुरुआती आकलन बताते हैं कि सिर्फ ऑपरेशन के शुरुआती चरण में ही सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च हो चुके हैं। नेवल शिप, फाइटर जेट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम की लगातार तैनाती से यह खर्च लगातार बढ़ रहा है।

पिछली झड़पों, खासकर अफगानिस्तान युद्ध, से यह साफ है

कि लंबे समय में खर्च और भी ज्यादा बढ़ सकता है। इसमें पूर्व सैनिकों की देखभाल जैसी दीर्घकालिक जिम्मेदारियां भी शामिल होती हैं। आखिरकार, ऑपरेशन कितने समय तक चलता है, यही तय करेगा कि कुल आर्थिक बोझ कितना होगा।

"चार से पांच सप्ताह" या उससे ज्यादा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह अभियान "चार से पांच सप्ताह" तक चल सकता है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर इससे कहीं अधिक समय तक जाने के लिए तैयार है। ऑपरेशन की अनिश्चितता के कारण इसकी अंतिम लागत का सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। फिर भी शुरुआती आकलन बताते हैं कि सिर्फ शुरुआती चरण में ही करोड़ों डॉलर खर्च हो चुके हैं।

पहले 24 घंटे में 779 मिलियन डॉलर स्वाहा

तुर्की की अनादोलु समाचार एजेंसी के अनुसार, 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के पहले 24 घंटों के भीतर अमेरिका ने लगभग 779 मिलियन डॉलर (करीब 7100 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च किए हो सकते हैं। इसमें हवाई हमलों और मिसाइल हमलों की पहली लहर के साथ-साथ सहायक सैन्य कार्रवाइयां भी शामिल थीं।

हमलों से पहले ही 630 मिलियन डॉलर का जमावड़ा

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले शुरू होने से पहले सैन्य तैयारियों में ही करीब 630 मिलियन डॉलर (करीब 5800 करोड़ भारतीय रुपए) खर्च हो गए थे। इसमें विमानों की नई तैनाती, एक दर्जन से ज्यादा नौसैनिक जहाजों की तैनाती और अमेरिकी सेंट्रल कमांड के तहत क्षेत्रीय सैन्य संसाधनों को सक्रिय करना शामिल था।

फाइटर जेट उड़ानें ही 271.34 मिलियन डॉलर

शुरुआती हमलों में F-18, F-16, F-22 और F-35 जैसे एडवांस फाइटर जेट शामिल थे। अमेरिकी रक्षा विभाग के 2025 और 2026 के बजट अनुरोधों के आधार पर उड़ान घंटे, रखरखाव और हथियारों की लागत मिलाकर इन उड़ानों पर लगभग 271.34 मिलियन डॉलर (करीब ढाई हजार करोड़ भारतीय रुपए) खर्च होने का अनुमान है।

कुवैत से बेटे को वापस लाने के लिए पीएम मोदी के सामने गिड़गिड़ाई ये फेमस एक्ट्रेस, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आगे जोड़े हाथ

(जीएनएस)। मध्य-पूर्व में जारी युद्ध के कारण पैदा हुए संकट का असर अब आम लोगों के साथ-साथ फिल्म और टीवी जगत के परिवारों पर भी पड़ने लगा है। इसी बीच मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस विशाखा सुभेदार का एक इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक्ट्रेस विशाखा सुभेदार का वीडियो हुआ वायरल

इस वीडियो में वक्त्र विशाखा सुभेदार अपने बेटे को सुरक्षित भारत वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मदद की गुहार लगाती नजर आ रही हैं।

कुवैत में फंसा है एक्ट्रेस विशाखा का बेटा

-मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फेमस मराठी एक्ट्रेस विशाखा सुभेदार का बेटा अभिनय सुभेदार पिछले 4 दिनों से कुवैत में फंसा हुआ है। वह अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद लंदन

लौट रहा था और यात्रा के दौरान उसका कुवैत में ले-ओवर था लेकिन इसी बीच ईरान-इजराइल संघर्ष और क्षेत्रीय हमलों के कारण हालात अचानक बिगड़ गए और कई देशों ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया।

-एक्ट्रेस विशाखा ने बताया कि उड़ान सेवाएं ठप होने की वजह से उनके बेटे का विमान कुवैत में ही रोक दिया गया था, जिसके बाद से वह वहीं फंसा हुआ है और आगे की यात्रा संभव नहीं हो पा रही है।

रोते हुए वीडियो में मां ने पीएम और सीएम से लगाई गुहार

-एक्ट्रेस विशाखा सुभेदार ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया है जिसमें वह बेहद परेशान और दुखी नजर आ रही हैं। वीडियो में वह कह रही हैं कि जिस जगह उनका बेटा मौजूद है, वहां से लगातार हमलों की खबरें आ रही हैं और परिवार बेहद चिंता में है।

-एक्ट्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से रोते हुए और हाथ जोड़ते हुए अपील की है और कहा है कि उनके बेटे को सुरक्षित भारत वापस लाने में मदद की जाए।+

चिन्नास्वामी स्टेडियम में सजेगी आईपीएल की सबसे बड़ी महफिल, पीसीबी को मिल गई अहम जिम्मेदारी

(जीएनएस)। क्रिकेट प्रेमियों के लिए आईपीएल सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं बल्कि एक इमोशन है और जब बात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी फ्रब की हो, तो यह उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच जाता है। आईपीएल 2026 को लेकर बेंगलुरु से एक बहुत बड़ी और खुशखबरी वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस बार का पूरा सीजन बेंगलुरु के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा क्योंकि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को इस साल के सबसे महत्वपूर्ण मैचों की मेजबानी सौंपी गई है। पिछले साल टाइटल जीत का जश्न मनाने के दौरान भगदड़ में कई लोग मारे गए थे, इसके बाद स्टेडियम में मुकाबले आयोजित नहीं किए जा रहे थे।

रिपोर्ट्स के अनुसार आईपीएल 2026 का भव्य उद्घाटन समारोह यानी ओपनिंग सेरेमनी इसी ऐतिहासिक मैदान पर आयोजित की जाएगी। चूंकि आरसीबी पिछले सीजन की चैंपियन

है, इसलिए नियमों के मुताबिक पहला मुकाबला भी बेंगलुरु के ही घर में खेला जाना है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की छोटी बाउंड्री और यहां का शोर खिलाड़ियों के साथ-साथ फैंस के लिए भी एक अलग ही माहौल तैयार करता है, जिसे इस बार और भी भव्य बनाने की तैयारी चल रही है।

इस साल का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि टूर्नामेंट का अंत भी इसी मैदान पर होगा। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ मुकाबले और सबसे महत्वपूर्ण फाइनल' की मेजबानी भी बेंगलुरु को ही दी गई है। कर्नाटक सरकार और गृह विभाग ने सुरक्षा को लेकर अभी से कमर कस ली है। इस तरह बेंगलुरु को इस आईपीएल में सेंटर में रखने का प्रयास किया जाएगा।

कैबिनेट की हालिया बैठकों में इस बात पर जोर दिया गया है कि भारी भीड़ को देखते हुए स्टेडियम के आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे और ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुधारा जाएगा ताकि किसी भी फैन को परेशानी न हो।

कुल मिलाकर आईपीएल 2026 बेंगलुरु के लिए किसी उत्सव से कम नहीं होने वाला है। डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते आरसीबी पर खिताब बचाने का दबाव तो होगा ही, लेकिन घर में खेलने का फायदा उन्हें इस रेस में आगे रख सकता है।

अबू धाबी से भारत सुरक्षित लौटीं एक्ट्रेस ईशा गुप्ता, सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्ट

(जीएनएस)। ईशा गुप्ता हाल ही में अबू धाबी में फंस गई थीं, लेकिन अब वह सुरक्षित भारत लौट आई हैं। मध्य-पूर्व में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और मिसाइल हमलों की वजह से हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। इससे कई यात्री एयरपोर्ट पर फंस गए, जिनमें ईशा भी शामिल थीं। उनकी सुरक्षित वापसी से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है।

एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

भारत पहुंचने के बाद ईशा ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि 28 तारीख को वह एयरपोर्ट पर थीं, तभी अचानक दोपहर करीब 1 बजे एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल था और किसी को समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है। उन्होंने लिखा कि कुछ ही देर बाद मिसाइल हमलों की खबरें आने लगीं। माहौल

डर और अनिश्चितता से भरा हुआ था। लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या होगा।

यूएई और भारत सरकार का जताया आभार

ईशा गुप्ता ने अपनी पोस्ट में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और भारतीय सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में दोनों देशों की मदद से ही वह सुरक्षित घर लौट पाईं। उन्होंने यह भी लिखा कि सभी की दुआओं और शुभकामनाओं के कारण वह सुरक्षित हैं।

एयरपोर्ट स्टाफ की तारीफ

अभिनेत्री ने अबू धाबी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के स्टाफ और सुरक्षा कर्मियों की भी जमकर सराहना की। उनके अनुसार, ग्राउंड स्टाफ और सिक्योरिटी टीम ने बेहद शांत और प्रोफेशनल तरीके से स्थिति को संभाला। कठिन हालात के बावजूद उन्होंने यात्रियों की मदद की और व्यवस्था बनाए रखी।

होटल लौटना पड़ा

ईशा ने बताया कि उन्होंने अभी चेक-इन नहीं किया था, इसलिए एयरपोर्ट बंद होने के बाद वह वापस अपने होटल चली गईं। वहां से हालात सामान्य होने का इंतजार किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता हाल ही में वेब सीरीज 'आश्रम 3' में नजर आई थीं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद उनके फैंस उनकी सलामती से